11 से 16 मार्च तक पंचकल्याणक महोत्सव

खास बातें

- सकल दिगंबर जैन समाज और शीतल धाम न्यास के तत्वावधान में आयोजन
- भगवान आदिनाथ की प्रतिमा की होगी प्राण प्रतिष्ठा

नवभारत न्यूज

विदिशा 9 मार्च, पावन धरती एक बार फिर बड़े धार्मिक आयोजन की साक्षी बनने जा रही है. सकल दिगंबर जैन समाज एवं शीतल धाम न्यास के संयुक्त तत्वावधान में 11 मार्च से 16 मार्च तक पंचकल्याणक महोत्सव का भव्य आयोजन किया जा रहा है. इस अवसर पर शीतल धाम में निर्मित 108 फीट ऊंचे भव्य जैन मंदिर का निर्माण चल रहा है.जिसमें भगवान आदिनाथ की प्रतिमा की प्राण प्रतिष्ठा संपन्न होगी.

इस संबंध में समाज के पदाधिकारियों और आयोजन समिति के सदस्यों द्वारा प्रेस वार्ता आयोजित कर कार्यक्रम की विस्तृत जानकारी दी गई. उन्होंने बताया कि पंचकल्याणक महोत्सव जैन धर्म का अत्यंत महत्वपूर्ण और पवित्र आयोजन होता है, जिसमें भगवान के गर्भ, जन्म, तप, ज्ञान और मोक्ष कल्याणक से जुड़े धार्मिक अनुष्ठान और कार्यक्रम संपन्न किए जाते हैं. समाज के पदाधिकारियों ने बताया कि ग्राम बड़ो में भगवान आदिनाथ की प्रतिमा प्राप्त हुई थी, जिसे श्रद्धा और विधि-विधान के साथ शीतल धाम में स्थापित किया जाएगा. बाद में 108 फीट ऊंचे भव्य मंदिर का भी लोकार्पण किया जाएगा, जो आने वाले समय में जैन धर्म के अनुयायियों के लिए आस्था का प्रमुख केंद्र बनेगा. पंचकल्याणक महोत्सव के दौरान देशभर से जैन संतों और श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना है.कार्यक्रम में धार्मिक प्रवचन, शोभायात्रा, पूजन-अर्चना, सांस्कृतिक आयोजन और विभिन्न धार्मिक अनुष्ठान आयोजित किए जाएंगे. आयोजन समिति ने बताया कि इस भव्य आयोजन को लेकर समाज में काफी उत्साह है और इसकी तैयारियां जोर-शोर से की जा रही हैं.

प्रेस वार्ता में समाज के प्रतिनिधियों ने बताया कि इस आयोजन के माध्यम से जैन धर्म के सिद्धांतों, अहिंसा और संयम के संदेश को समाज तक पहुंचाने का प्रयास किया जाएगा. उन्होंने अधिक से अधिक श्रद्धालुओं से कार्यक्रम में शामिल होकर धर्म लाभ लेने की अपील की है. प्रेस वार्ता में समाज के पदाधिकारी सचिन जैन, अविनाश जैन और संजय सेठ सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे. इस दौरान उन्होंने पंचकल्याणक महोत्सव की व्यवस्थाओं और कार्यक्रमों की जानकारी साझा करते हुए बताया कि आयोजन को भव्य और ऐतिहासिक बनाने के लिए व्यापक स्तर पर तैयारियां की जा रही हैं.

35 करोड़ की लागत से बन रहा भव्य मंदिर, राजस्थान के लाल-पीले पत्थरों पर होगी आकर्षक नक्काशी

समवशरण जैन मंदिर , जो अपनी ऊंचाई और अद्वितीय वास्तुकला के कारण विशेष आकर्षण का केंद्र बनेगा.लगभग 108 फीट ऊंचे इस मंदिर को देश का पहला ऐसा समवशरण मंदिर माना जा रहा है, जो इतने विशाल और भव्य स्वरूप में तैयार किया जा रहा है. रेलवे लाइन किनारे करीब 18 बीघा भूमि में फैले शीतलधाम को जैन तीर्थ स्थल के रूप में विकसित है. मंदिर परिसर में जैन धर्म के 24 तीर्थंकरों के साथ भगवान का पूरा दरबार स्थापित किया जाएगा, जिससे यह स्थल श्रद्धालुओं के लिए विशेष आस्था का केंद्र बनेगा.जानकारी के अनुसार वर्ष 2008 में आचार्यश्री विद्यासागर जी महाराज के चातुर्मास के दौरान इस मंदिर की आधारशिला रखी गई थी. इसके बाद वर्ष 2014 में मंदिर का निर्माण कार्य शुरू हुआ था.

407 वाहन की टक्कर से एक्टिवा में लगी आग, बड़ा हादसा टला

अग्रवाल एकेडमी के पास दुर्घटना, घायल चालक को पुलिस ने पहुंचाया विदिशा मेडिकल कॉलेज

नवभारत न्यूज

सांची 9 मार्च, नगर से लगभग तीन किलोमीटर दूर विदिशा रोड स्थित अग्रवाल एकेडमी के पास सोमवार को एक बड़ा हादसा होते-होते टल गया. सड़क पर जा रही एक एक्टिवा को पीछे से आ रहे 407 वाहन ने जोरदार टक्कर मार दी.टक्कर इतनी तेज थी कि गिरते ही एक्टिवा में आग लग गई और देखते ही देखते वह धू-धू कर जलने लगी, जिससे मौके पर अफरा-तफरी मच गई.

बताया जाता है कि एक्टिवा चालक राजेंद्र महेश्वरी, पिता लक्ष्मीचंद्र महेश्वरी, निवासी नंदवाना मोहल्ला, विदिशा हैं.दुर्घटना में वह घायल हो गए.सूचना मिलते ही सांची पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची और फायर ब्रिगेड को बुलाकर आग पर काबू पाया, लेकिन तब तक एक्टिवा पूरी तरह जल चुकी थी.पुलिस ने घायल चालक को तत्काल उपचार के लिए विदिशा मेडिकल कॉलेज पहुंचाया, जहां उनका इलाज जारी है.वहीं जली हुई एक्टिवा और 407 वाहन को पुलिस ने कब्जे में लेकर थाने पहुंचा दिया है.समाचार लिखे जाने तक फरियादी की ओर से रिपोर्ट दर्ज नहीं कराई गई थी.पुलिस का कहना है कि रिपोर्ट दर्ज होते ही नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी. साथ ही पुलिस द्वारा क्षेत्र में लगातार तेज रफ्तार वाहनों पर अंकुश लगाने के लिए विशेष निगरानी और कार्रवाई की जा रही है.समय पर पुलिस और फायर ब्रिगेड की सक्रियता से एक बड़ा हादसा टल गया.

लंबित आवेदनों की समीक्षा बैठक आज

नवभारत न्यूज

विदिशा, कलेक्टर अंशुल गुप्ता की अध्यक्षता में लंबित आवेदनो की समीक्षा (टीएल) बैठक मंगलवार दस मार्च को आयोजित की गई है यह बैठक कलेक्ट्रेट के बेतवा सभागार में दोपहर तीन बजे से शुरू होगी.

मानस साधक सरयू शरण मिश्र की स्मृति में रामायण पाठ व अखंड कीर्तन के साथ हुआ भंडारा

नवभारत न्यूज

गंजबासौदा, रामनाम में रमा हुआ जीवन जब विराम लेता है तो उसकी स्मृति भी भक्ति का उत्सव बन जाती है.समीपस्थ ग्राम करौंदा कला के गोसेवक, मानस उपासक और रामदास चरण पादुका मंदिर के पुजारी रहे सरयू शरण मिश्र के विगत दिनों साकेतवास होने पर उनकी स्मृति में सोमवार को आयोजित हुए विशाल भंडारे में गांव और जिले भर से श्रद्धालु उमड़ पड़े।उनकी स्मृति में आयोजित हुए दो दिवसीय रामायण पाठ और अखंड कीर्तन के समापन पर आयोजित भंडारे में संतजन, जनप्रतिनिधि और समाज के गणमान्य लोग जुटे और रामनाम के इस साधक को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की.

गंजबासौदा क्षेत्र के समीप ग्राम करौंदा कला के निवासी थे. रामचरितमानस में उनकी अटूट श्रद्धा और विश्वास के साथ-साथ संत सेवा में अकल्पनीय लगन थी.सोमवार को उनकी पावन स्मृति में आयोजित दो दिवसीय रामायण पाठ और अखंड कीर्तन का समापन श्रद्धा और भक्ति के वातावरण में संपंन्न हुआ.इस अवसर पर आयोजित भंडारे में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने पहुंचकर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की.कार्यक्रम में विधायक हरी सिंह रघुवंशी, नौलखी खालसा के श्रीमहंत राम मनोहर दास जी महाराज, आचार्य पंडित केशव शास्त्री, तीरथ प्रताप सिंह दरबार, सुरेश शर्मा, सहित जिले भर के राजनीतिक, सामाजिक और धार्मिक क्षेत्र से जुड़े गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे.श्रद्धांजलि सभा में विधायक श्री रघुवंशी ने कहा कि रामनाम में रमे साधक भले ही देह से विदा हो जाएं, लेकिन उनकी साधना और संस्कार समाज की स्मृति में सदैव जीवित रहते हैं.स्वर्गीय सरयू शरण मिश्र रामचरितमानस के गहरे अध्येता और साधक माने जाते थे.वर्षों तक उन्होंने रामायण का नियमित पाठ किया और मानस से जुड़े जिज्ञासुओं की शंकाओं का समाधान करते रहे। रामचरितमानस पर उनका चिंतन और व्याख्या जिले भर में चर्चित थी और अनेक श्रद्धालु उनके ज्ञान और साधना के कायल थे.उनका पूरा जीवन रामनाम की साधना, गोसेवा, संतसेवा और समाज में सद्भाव के प्रसार को समर्पित रहा.रामदास चरणपादुका मंदिर में वर्षों तक सेवा करते हुए उन्होंने भक्ति और सरलता का आदर्श प्रस्तुत किया.कार्यक्रम में उनके पुत्र त्रिलोकी शरण मिश्र, हरिशंकर मिश्र तथा नाती ब्रजेश मिश्र, सीताशरण मिश्र और विकास मिश्र सहित परिवारजनों ने उपस्थित श्रद्धालुओं का आभार व्यक्त किया। साथ ही उनके भाइयों और परिजनों ने भी श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उनके बताए मार्ग पर चलने का संकल्प व्यक्त किया.

भंडारे में 20 क्विंटल आटे की पूड़ी वितरित

नवभारत न्यूज

सिरोंज, शहर के समाजसेवियों द्वारा करीला के श्रद्धालुओं के लिए भंडारे का आयोजन किया गया. भंडारे में 20 क्विंटल आटे की पूड़ी, 10 क्विंटल आलू की सब्जी की प्रसादी वितरित की गई.शहर के समाजसेवियों द्वारा बीते कई वर्षों से करीला में रंगपंचमी मेले पर आने जाने वाले श्रद्धालुओं के लिए भंडारे का आयोजन किया जाता है. इस बार भी भंडारे का आयोजन किया गया. भंडारे को लेकर पूर्व से ही समिति द्वारा व्यापक व्यवस्थाएं की गई थी. इस अवसर पर समिति के महेंद्र रघुवंशी ने बताया कि शनिवार को शाम को भंडारा शुरू हुआ. इस मौके पर करीला जाने वाले श्रद्धालुओं के लिए करीब 2 क्विंटल चने की प्रसादी वितरित की गई. शाम से शुरू हुआ चने की प्रसादी का वितरण रात तक चलता रहा. इसके उपरांत समिति द्वारा पूड़ी, आलू टमाटर की सब्जी का वितरण श्रद्धालुओं को किया गया. इस दौरान बड़ी संख्या में समिति के सदस्य मौजूद रहे.

रंगपंचमी पर वनदेवी मंदिर पर लगता है मेला

क्षेत्र में छोटी करीला के रूप में प्रसिद्ध है

नवभारत न्यूज

हैदरगढ़,रंगपंचमी पर बरवाई गांव से दो किमी दूर जंगल में वन देवी का प्राचीन मंदिर है यहां माता जानकी की प्रतिमा विराजमान है लोग दूर-दूर से माता जानकी के दर्शन करने के लिए पहुंचते हैं और मनोकामना मांगते हैं नवीन आचार्य ने बताया कि वनदेवी का प्राचीन मंदिर है 2009 में संत राम शरण जी महाराज आए हुए थे.

उस दौरान महाराज जी ने वन देवी के प्राचीन मंदिर की महिमा बताई और फिर उसके बाद मंदिर का जीर्णोद्धार कराया. तब से ही रंगपंचमी के अवसर पर बधाई नृत्य का आयोजन होता है, जिसमें बड़ी संख्या में लोग पहुंचते हैं जंगल में रास्ता दुर्गम और कच्चा होने के बावजूद भी हजारों की संख्या में लोग पहुंचते हैं कल रंगपंचमी के मौके पर रात में 8 बजे से बधाई नृत्य शुरू हो गया था जो की रात भर चलता रहा इस मौके पर सुरक्षा व्यवस्था के लिए पुलिस के जवान तैनात रहे लोग अपनी अपनी मनोकामनाएं लेकर आते है और पूर्ण होने पर रंगपंचमी पर बुंदेलखंड का प्रसिद्ध राई नृत्य का आयोजन कराते है.

विकास पचौरी रेडियो
84 35 250 250
मोबाइल के प्ले स्टोर पर
Vikas Pachori Radio
टाइप करके इंस्टॉल कीजिए
और लगातार 24 घण्टे
आनंद लीजिए.

जिले में आयुर्वेद औषधालयों का औचक निरीक्षण

नवभारत न्यूज

विदिशा, कलेक्टर अंशुल गुप्ता के निर्देशानुसार जिले के आयुर्वेद औषधालयों का निरीक्षण राजस्व अधिकारियों के द्वारा अभियान के रूप में किया गया है. एसडीएम अजय प्रताप सिंह पटेल ने पिपलधार में, लटेरी के मुरारिया में नायाब तहसीलदार जगन प्रसाद ने मसूदपुर में श्री आर आर अहिरवार ने तथा नटेरन तहसीलदार श्री आनंद जैन ने सोमवार को आयुर्वेद औषधालय सेउ का औचक निरीक्षण किया है. निरीक्षण के दौरान उन्होंने औषधालय की व्यवस्थाओं, दवा उपलब्धता तथा मरीजों को दी जा रही स्वास्थ्य सेवाओं की जानकारी ली गई है. वहीं निरीक्षण के समय औषधालय में चिकित्सक उपस्थित का परीक्षण किया गया है.नटेरन तहसीलदार श्री जैन ने ओपीडी पंजी का अवलोकन किया, जिसमें उस दिन कुल 6 मरीजों के उपचार हेतु आने का उल्लेख पाया गया.उन्होंने औषधालय के कर्मचारियों को निर्देश दिए कि मरीजों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराई जाएं तथा औषधालय में साफ-सफाई और रिकॉर्ड संधारण का विशेष ध्यान रखा जाए.तहसीलदार ने कहा कि शासन की मंशा के अनुरूप ग्रामीण क्षेत्रों में संचालित स्वास्थ्य संस्थानों में नियमित रूप से मरीजों को गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा सेवाएं मिलना सुनिश्चित किया जाए. उन्होंने औषधालय की व्यवस्थाओं को और अधिक व्यवस्थित रखने के निर्देश भी दिए.

सम्मान

प्रथम नगर आगमन पर स्वागत में बिछाए पलक पांवड़े, प्राचार्य ने दी अपनी कुर्सी और स्कूली बच्चों ने सलामी

अफसर बनने वाली बेटी का शहर ने किया दिल खोलकर स्वागत

नवभारत न्यूज

गंजबासौदा,जिस स्कूल की कक्षाओं में बैठकर कभी एक साधारण छात्रा ने बड़े सपनों को आकार दिया था, सोमवार को उसी शिक्षा के मंदिर की चौखट को प्रणाम करने झुकीं तो एक पल के लिए लगा कि अफसर नहीं, संस्कार बड़े होते हैं. गांव की स्कूल की यह छात्र आज सिविल सेवा में चयनित अफसर के रूप में होकर लौटी तो तो स्वागत में गांव वालों शहर वालों को भी पीछे छोड़ दिया. शहर वालों ने स्वागत में पलक पांवडे तो बिछाये ही गांव वालों ने भी कोई कोर कसर नहीं छोड़ी स्वागत और तालियों की गूंज के बीच प्राची चौहान ने सबसे पहले विद्यालय की चौखट को प्रणाम किया और गुरुजनों के सामने विनम्रता से सिर झुका दिया. उस क्षण विद्यालय का आंगन गर्व, भावनाओं और प्रेरणा से भर उठा, मानो सफलता खुद अपने संस्कारों और शिक्षा को नमन करने लौट आई हो.

जी हम बात कर रहे हैं विदिशा जिले के ग्राम जोहद के एक साधारण से किस परिवार की होनहार बेटी प्राची चौहान की जिसने देश की सर्वोच्च प्रतियोगी परीक्षा सिविल सेवा में पूरे देश भर में 260 सी रैंक हासिल की है अब चयनित सूची और मेरिट लिस्ट की पात्रतानुसार प्राची का जल्द ही आईएएस या फिर आईपीएस बनने का सपना पूरा होगा.तीन दिन पूर्व घोषित हुए परिणामों में सिविल सेवा परीक्षा में चयनित होने के बाद प्राची पहली बार दक्षिण एक्सप्रेस से गंजबासौदा से होते हुए करीब 15 किलोमीटर दूर अपने गृह ग्राम गांव जोहद पहुंची. नगर में प्रथम नगर आगमन पर आगमन पर नगर में उनका भव्य और ऐतिहासिक स्वागत हुआ. स्वागत रैली नगर के प्रमुख चौराहों से होते हुए जोहद के लिए रवाना हुई.स्वागत का क्रम स्थानीय रेलवे स्टेशन से प्रारंभ प्रारंभ हुआ. स्वागत के दौरान खुली कार में सवार प्राची ने नगर के चौराहों पर स्थापित महापुरुषों की प्रतिमाओं पर माल्यार्पण करते हुए एक नया संदेश समाज को दिया कि योग्यता से बढ़कर महापुरुषों का बलिदान वंदनीय है.

मालूम हो कि देश की प्रतिष्ठित सिविल सेवा परीक्षा में 260 वीं रैंक हासिल कर क्षेत्र का नाम रोशन करने वाली ग्राम जोहद निवासी प्राची चौहान के प्रथम नगर आगमन पर सोमवार को गंजबासौदा में ऐतिहासिक स्वागत हुआ. दिल्ली से दक्षिण एक्सप्रेस से नगर पहुंचीं प्राची का नागरिकों ने दिल खोलकर अभिनंदन किया.रेलवे स्टेशन पर उनके पहुंचते ही उनके स्वागत में परिजन, सामाजिक संगठन और बड़ी संख्या में नागरिक मौजूद रहे.यहां देवेंद्र सिंह राजपूत (मन्नूजी) ने प्राची को साफा बांधकर उनका अभिनंदन किया.साफा बांधने की विशेष शैली के लिए मन्नूजी का नगर में अपना अलग ही रिकॉर्ड माना जाता है.इसके बाद खुले वाहन में उनका स्वागत जुलूस निकाला गया. ढोल-नगाड़ों, डीजे और जयघोष के बीच नगरवासियों ने जगह-जगह पलक पांवड़े बिछाकर और पुष्प वर्षा कर स्मृति चिन्ह देकर उनका स्वागत किया.ट्रेन से उतरकर नगर में प्रवेश करते ही प्राची चौहान ने विभिन्न चौराहों पर स्थापित महापुरुषों की प्रतिमाओं पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया और देश के महापुरुषों बलिदानियों भाषा के प्रति अपनी श्रद्धा व्यक्त की.

रघुवंश परमार्थ सेवा ट्रस्ट सहित कई सामाजिक, धार्मिक संगठनों ने किया स्वागत

स्टेशन से प्राची का स्वागत का क्रम शुरू हुआ जो सुभाष चौक, नेहरू चौक, अंबेडकर चौक, जय स्तंभ चौक, बरेठ रोड होते हुए तिरंगा चौक होते हुए ग्राम जोहत के लिए रवाना हुई. बरेठ रोड रघुवंशी धर्मशाला के पास रघुवंश परमार्थ सेवा ट्रस्ट और रघुकुल युवा परिषद द्वारा शॉल श्रीफल और प्रशस्ति पत्र देकर विधायक हरीसिंह रघुवंशी, ट्रस्ट अध्यक्ष रामकृष्ण सिंह रघुवंशी (राजखेड़ा) सहित ट्रस्ट के अन्य पदाधिकारियों ने प्राची को सम्मानित किया.नवानपुर विद्यापीठ के प्राचार्य शैलेंद्र दीक्षित ने भी विद्यालय परिवार के साथ उनका अभिवादन कर सम्मान किया. इसके बाद उनका काफिला नगर के प्रमुख चौराहों से होते हुए उनके गृह ग्राम जोहद के लिए रवाना हुआ। रास्ते में ग्राम गुरोद में ग्रामीणों ने भी उनका भव्य स्वागत किया और फूल-मालाओं से अभिनंदन किया.

कक्ष एक, दो तस्वीरें....कभी संकोची छात्रा, आज आत्मविश्वास से भरी अफसर

प्राची के स्वागत का काफिला जब नगर से होते हुए उनके गांव जोहद पहुंचा तो सबसे पहले प्राची उस स्कूल में पहुंची जहां से उसे अपनी मंजिल का रास्ता मिला था. वाहन से उतरकर सबसे पहले उन्होंने विद्यालय में प्रवेश करते ही शिक्षा के मंदिर की दहलीज पर सिर रखकर प्रणाम किया.अपने स्कूल की सहपाठी और बड़ी दीदी की स्वागत इंतजार में बैठे विद्यालय विद्यार्थियों ने सलामी देकर उनका स्वागत किया.स्कूल में स्वागत के दौरान वह दृश य भी अकल्पनीय बन गया जिसकी किसी ने कल्पना भी नहीं की थी. शासकीय हायर सेकेंडरी स्कूल जोहद के प्राचार्य राकेश सेन अप्राचार्य तृप्ति अग्रवाल एवं शिक्षिका ममता उपाध्याय उन्हें से सम्मान प्राचार्य कक्ष में लेकर पहुंची.यही वह कक्ष था, जहां कभी प्राची चौहान एक संकोची छात्रा के रूप में अपनी शंकाओं के समाधान के लिए पहुंचती थीं और प्राचार्य के सामने बैठने में भी संकोच करती थीं. लेकिन वर्षों बाद वही प्राची सिविल सेवा परीक्षा में चयनित होकर जब अपने विद्यालय पहुंचीं, तो प्राचार्य सहित समस्त विद्यालय ने गर्व और स्नेह के साथ उनका स्वागत किया.प्राचार्य ने प्रशासनिक गरिमा और पद को ध्यान में रखते हुए अपने से बड़े एक अफसर को सम्मानपूर्वक अपनी कुर्सी पर बैठने का आग्रह किया.संस्कारों से भरी प्राची ने हाथ जोड़कर कई बार विनम्रता से कुर्सी पर बैठने मना किया, लेकिन प्राचार्य के आग्रह पर कुछ क्षण के लिए वह कुर्सी पर बैठीं.उस समय कक्ष में मौजूद सभी लोगों के सामने एक ही स्थान की दो तस्वीरें मानो एक साथ जीवंत हो उठीं थीं, कभी संकोची छात्रा और आज आत्मविश्वास से भरी एक अफसर.गांव के उस साधारण से विद्यालय ने इस दृश्य में सच्चाई फिर साबित कर दी.

कुरवाई में पहली बार विशाल डिजिटल स्क्रीन पर क्रिकेट महोत्सव

भारत-न्यूजीलैंड फाइनल का हुआ लाइव प्रसारण

नवभारत न्यूज

कुरवाई, नगर में पहली बार क्रिकेट प्रेमियों के लिए बड़े स्तर पर क्रिकेट महोत्सव का आयोजन किया गया, जिसमें टी20 विश्व कप के फाइनल मुकाबले का लाइव प्रसारण विशाल डिजिटल स्क्रीन पर किया गया. कार्यक्रम का आयोजन मुख्य बाजार स्थित पुराने थाने के सामने किया गया, जहां बड़ी संख्या में क्रिकेट प्रेमी एकत्रित होकर भारत बनाम न्यूजीलैंड के रोमांचक मुकाबले का आनंद लेते नजर आए.

कार्यक्रम के दौरान पूरे क्षेत्र में उत्साह और उत्सव का माहौल देखने को मिला.युवाओं, बच्चों और बुजुर्गों सहित बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित रहे. जैसे-जैसे मैच आगे बढ़ता गया, दर्शकों की उत्सुकता और जोश भी बढ़ता गया. चौके-छक्कों पर दर्शकों ने जमकर तालियां बजाईं और भारत के समर्थन में नारे लगाए.डिजिटल स्क्रीन पर लाइव प्रसारण के कारण दर्शकों को स्टेडियम जैसा माहौल महसूस हुआ.कार्यक्रम का उद्देश्य नगर के लोगों को एक साथ जोड़कर खेल के प्रति उत्साह बढ़ाना था.आयोजकों ने बताया कि कुरवाई में इस तरह का आयोजन पहली बार किया गया है, जिससे लोगों में काफी उत्साह देखने को मिला.इस आयोजन में प्रमुख रूप से सोनू पंथी और रोहन रघुवंशी की विशेष भूमिका रही.कार्यक्रम के सफल आयोजन में स्थानीय नागरिकों का भी सहयोग रहा.कार्यक्रम का आयोजन पानबाई एनर्जी स्टेशन कुरवाई और रघुवंश वाटिका कुरवाई के सौजन्य से किया गया.क्रिकेट प्रेमियों ने इस आयोजन की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार के आयोजन से नगर में खेल और सामाजिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलता है तथा लोगों को एक साथ आनंद लेने का अवसर मिलता है.